पाठ 3

# हमारे पर्व और त्योहार

## इस पाठ से हम सीखेंगे

- देश के अलग-अलग इलाकों में मनाए जाने वाले त्योहारों के बारे में।
- अलग-अलग धर्मों के त्योहारों के बारे में।
- अपने राष्ट्रीय पर्वों के बारे में।

हमारा देश त्योहारों का देश कहा जाता है। यहाँ हर धर्म के अपने-अपने त्योहार हैं। पर सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर इन्हें मनाते हैं। हमारे कुछ त्योहार ऐसे हैं, जो खेती से जुड़े हैं। फ़सल कटने के बाद ये त्योहार देश के सभी हिस्सों में मनाए जाते हैं। अलग-अलग इलाकों में ये त्योहार अलग-अलग नामों से जाने जाते हैं। त्योहार चाहे किसी भी धर्म के हों, किसी भी इलाके में मनाए जाते हों, किसी भी नाम से जाने जाते हों, संदेश सबके एक से ही हैं—भाईचारा, प्रेम, सेवा, खुशी, बुराई पर अच्छाई की जीत।

इन सामाजिक त्योहारों के अलावा हमारे कुछ राष्ट्रीय पर्व भी हैं। ये हैं—स्वतंत्रता-दिवस, गणतंत्र-दिवस और गाँधी जयंती। ये किसी एक धर्म के त्योहार नहीं हैं, पूरा देश साथ मिलकर इन्हें मनाता है।

आइए, अब अपने देश में मनाए जाने वाले त्योहारों के बारे में जानें।

## 3.1 मकर संक्रांति

मकर संक्रांति का त्योहार जनवरी में उस समय मनाया जाता है, जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। यह त्योहार किसी-न-किसी रूप में पूरे देश में मनाया जाता है।

*मकर संक्रांति पर्व पर स्नान करते हुए*

यह खेती से जुड़ा त्योहार है। इस समय तक धान, तिल, ज्वार, बाजरा, उड़द, गन्ने की फसल कट चुकी होती है। नया अन्न घर में आ जाता है। इसलिए हर घर में खुशी का माहौल रहता है। इस दिन चावल और तिल से बनी चीज़ें खाई जाती हैं।

तमिलनाडु में इस दिन को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। वहाँ इस दिन खीर खाई और खिलाई जाती है।

असम में इसी दिन बिहू का त्योहार मनाया जाता है।

उत्तर भारत में मकर संक्रांति के दिन लोग गंगा एवं अन्य नदियों में स्नान करते हैं। इस दिन हरिद्वार और प्रयाग में दूर-दूर से लोग गंगा-स्नान के लिए आते हैं। वहाँ बड़ा मेला लगता है। स्नान के बाद लोग चावल या तिल के लड्डू दान करते हैं।

मकर संक्रांति को कहीं-कहीं खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में इस दिन लोग चावल और उड़द की खिचड़ी खाते हैं।

गुजरात में इस दिन पतंग उड़ाने का रिवाज़ है। पंजाब में इस मौके पर लोहड़ी मनाई जाती है।

इस तरह यह त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। यह त्योहार दिखाता है कि हमारी संस्कृति खेती से जुड़ी है। यह भी दिखाता है कि पूरे देश की भावना एक है, संस्कृति एक है। सबकी खुशी एक है।

## 3.2 होली

यह त्योहार फागुन की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह वसंत ऋतु के आने का समय है। वसंत मस्ती का मौसम होता है। फूल खिलने लगते हैं। नई पत्तियाँ निकलने लगती हैं। सब तरफ़ उल्लास का वातावरण रहता है।

होलिका दहन

होली के त्योहार से जुड़ी एक कथा है– सतयुग में हिरण्यकशिपु नाम का एक राजा था। वह अपने को भगवान मानता था। अपने राज्य में वह भगवान की पूजा नहीं होने देता था। हिरण्यकशिपु का बेटा प्रह्लाद बचपन से ही भगवान का भक्त था। हिरण्यकशिपु को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं थी। उसने प्रह्लाद को बहुत समझाया, धमकाया भी, पर कोई असर नहीं पड़ा। तब हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद को सजा देने की ठानी। उसने प्रह्लाद को मारने की कई बार कोशिशें कीं, पर भगवान की कृपा से वह हर बार बच गया। अंत में हिरण्यकशिपु ने इस काम में अपनी बहन होलिका की मदद ली। होलिका को वरदान मिला हुआ था कि वह आग से नहीं जलेगी। हिरण्यकशिपु ने अपनी योजना होलिका को बताई। वह तैयार हो गई। होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ गई। हिरण्यकशिपु ने सोचा था कि प्रह्लाद जल जाएगा। पर हुआ उल्टा। होलिका तो जल गई, प्रह्लाद बच गया। तभी से होली का त्योहार मनाया जाता है। लोग मिल–जुलकर होलिका का दहन करते हैं। इस तरह से सामूहिक रूप से अन्याय को जला दिया जाता है।

होली की सबसे बड़ी विशेषता है– इसका राग-रंग से जुड़ाव। इसमें पूजा-पाठ का इतना उत्साह नहीं है, जितना गाने-बजाने, खाने-पीने और अबीर-गुलाल का।

होली की तैयारी काफी समय पहले से होने लगती है। होली के दिन लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं। फाग गाया जाता है। लोग मिल-जुलकर खुशी मनाते हैं। पुराने लड़ाई-झगड़े भूलकर गले मिलते हैं।

होली

ब्रज की होली बहुत मशहूर है। यहाँ बरसाने की लट्ठमार होली देखने के लिए तो दुनिया भर से लोग आते हैं। इसी मौके पर पंजाब में 'होला मोहल्ला' मनाया जाता है।

खुशी के इस त्योहार में कुछ लोग विष भी घोल देते हैं। लोगों पर कीचड़ डाल देते हैं। कभी-कभी तो तारकोल भी डाल देते हैं। रासायनिक रंग लगाते हैं। इन चीज़ों से शरीर को नुकसान होता है। कुछ लोग शराब और भाँग आदि पीकर हुड़दंग मचाते हैं। पुरानी रंजिश का बदला होली के मौके पर लेते हैं। इससे माहौल बिगड़ता है।

हमें कोशिश करनी चाहिए कि होली सभी के लिए खुशी का त्योहार बना रहे। रासायनिक रंगों का इस्तेमाल न करें। कीचड़ वगैरह न डालें। मन से पुराने वैर-भाव मिटा दें।

## 3.3 ईद-उल-फ़ितर

इस्लाम में रमज़ान का महीना बहुत पवित्र माना जाता है। पूरे महीने लोग रोज़े (सूर्योदय से सूर्यास्त तक निर्जल उपवास) रखते हैं। खुदा की इबादत करते हैं।

जरूरतमंदों को दान देते हैं, जिसे ज़कात कहते हैं। रमज़ान के 29 या 30 रोज़ों के बाद चाँद दिखाई देने के अगले दिन ईद-उल-फ़ितर त्योहार मनाया जाता है। सामान्यत: लोग इसे मीठी ईद के नाम से जानते हैं। शायद यह नाम एक दूसरे त्योहार ईद-उल-जुहा से अंतर सूचित करने के लिए पड़ा है। ईद-उल-जुहा में मेंढे, बकरे आदि की कुर्बानी दी जाती है।

ईद

ईद का मतलब है– खुशी मनाना। एक महीने के रोज़ों के बाद इस दिन सब खुशी मनाते हैं। नए कपड़े पहनते हैं। मस्जिद में जाकर नमाज़ पढ़ते हैं। एक-दूसरे से गले मिलते हैं। हर घर में सेवइयाँ बनती हैं। दूसरे पकवान भी बनते हैं। लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं। ईद की मुबारकबाद देते हैं। घर के बड़े अपने से छोटों को पैसे देते हैं, जिसे 'ईदी' कहा जाता है। ईद मेल-मुलाकात का, भाईचारे का त्योहार है। खुशियाँ बाँटने का त्योहार है।

## 3.4 गुरुपर्व ( गुरु नानक जयंती )

गुरुपर्व सिखों का सबसे बड़ा त्योहार है। यह त्योहार कार्तिक की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इसी दिन सिखों के पहले गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। गुरुपर्व को 'प्रकाश उत्सव' भी कहा जाता है। इस दिन लोग बाज़ारों में, सड़क के किनारे प्याऊ लगाकर सभी आने-जाने वालों को मीठा शर्बत पिलाते हैं। गुरुद्वारे जाकर मत्था टेकते हैं।

गुरु पर्व

इस दिन जगह-जगह लंगर लगते हैं। इनमें छोटे-बड़े, अमीर-गरीब सब साथ बैठकर खाना खाते हैं। गुरुपर्व भाईचारे का त्योहार है। प्रेम बाँटने का त्योहार है।

भारत में अलग-अलग इलाके के अपने-अपने त्योहार हैं। मकर संक्रांति खेती से जुड़ा त्योहार है। यह त्योहार किसी-न-किसी रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। होली सामाजिक सद्भाव का त्योहार है। इस मौके पर होलिका जलाई जाती है। ईद मेल-मुलाकात का, भाईचारे का त्योहार है। गुरुपर्व गुरु नानक देव जी के जन्मदिन पर मनाया जाता है।

## देखें, आपने क्या सीखा 3.1

(i) मकर संक्रांति तमिलनाडु में किस नाम से मनाई जाती है?

.....

(ii) ईद कब मनाई जाती है?

.....

(iii) गुरुपर्व क्यों मनाया जाता है?

.....

## 3.5 दुर्गा पूजा और दशहरा

इसे विजया दशमी भी कहते हैं। यह त्योहार आश्विन (क्वार) महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाता है।

माना जाता है कि राम-रावण युद्ध के दौरान क्वार की शुक्ल पक्ष की पहली से नवीं तिथि तक राम ने शक्ति की उपासना की थी और दसवें दिन रावण को मारा था। बंगाल और बिहार में दुर्गापूजा बहुत धूमधाम के साथ मनाई जाती है।

दशहरा अन्याय पर न्याय की जीत का पर्व है। यह असत्य पर सत्य की, अधर्म पर धर्म की जीत के रूप में मनाया जाता है।

विजया दशमी से पहले, नौ दिन नवरात्रि के होते हैं। नवरात्रि में लोग व्रत रखते हैं। साथ ही दुर्गादेवी के अलग-अलग रूपों की पूजा करते हैं।

*दशहरा*

दशहरे के पहले जगह-जगह रामलीला होती है। दशहरे के दिन रावण, कुम्भकर्ण, मेघनाद के पुतले जलाए जाते हैं। इन्हें अन्याय का प्रतीक माना जाता है।

कुल्लू का दशहरा बहुत मशहूर है। कुल्लू हिमाचल प्रदेश में है। इसी तरह मैसूर में भी दशहरा बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। दुनिया भर से लोग कुल्लू और मैसूर का दशहरा देखने आते हैं।

## 3.6 दीपावली

दीपावली का त्योहार कार्तिक महीने की अमावस्या को मनाया जाता है। माना जाता है कि लंका को जीतने के बाद इसी दिन भगवान राम अयोध्या वापस आए थे। उनके वापस आने की खुशी में पूरे राज्य में दीपक जलाए गए। खूब रोशनी की गई। लोगों ने मिल-जुलकर खुशियाँ मनाईं। तभी से इस दिन को दीपावली के रूप में मनाया जाता है। दीपावली को दीवाली के नाम से भी जाना जाता है।

दीपावली के दिन खूब आतिशबाज़ी की जाती है। यह उल्लास और रोशनी का त्योहार है। अँधेरे पर उजाले की जीत का त्योहार है।

दीपावली का त्योहार धनतेरस से शुरू होता है। इससे अगले दिन नरक चतुर्दशी होती है। इसे छोटी दीपावली भी कहते हैं। फिर अमावस्या को दीपावली मनाई जाती है। इस दिन लक्ष्मी-पूजा होती है। दीपावली के अगले दिन होती है गोवर्धन-पूजा। इसके बाद भैया दूज मनाई जाती है।

दीपावली पवित्रता का त्योहार है, पर कुछ लोग इसे दूषित कर देते हैं। इस दिन जुआ खेलते हैं। अधिक आवाज़ और तेज़ धुएँ वाले पटाखे छुड़ाते हैं। इससे वातावरण दूषित होता है। बीमार और बूढ़े लोगों को परेशानी होती है।

क्रिसमस 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। ईसा मसीह से ही ईसाई धर्म की शुरुआत हुई थी।

क्रिसमस को हम 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। यह ईसाइयों का सबसे बड़ा त्योहार है। इस दिन सभी ईसाई चर्च जाते हैं। प्रभु ईसा मसीह का जन्मदिन मनाते हैं। फिर साथ मिलकर खाते-पीते हैं। नाचते-गाते हैं। एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं। लोग इस दिन सांता क्लॉज का रूप धारण कर निकलते हैं। वे घूम-घूमकर बच्चों को उपहार बाँटते हैं। इस दिन चर्चों में रोशनी की जाती है और घरों पर तरह-तरह के केक बनाए जाते हैं। यह त्योहार पूरी दुनिया में मनाया जाता है। भारत में नागालैंड और गोवा में यह त्योहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है।

क्रिसमस

प्रभु ईसा मसीह ने लोगों को प्रेम और मानवता का संदेश दिया। सेवा का महत्त्व बताया। वे दीन-दुखियों की सेवा को ही मानव-धर्म मानते थे। उनके यही विचार क्रिसमस के मूल संदेश हैं।

दशहरा अन्याय पर न्याय की जीत के रूप में मनाया जाता है। दीपावली अँधेरे पर उजाले की जीत का त्योहार है। क्रिसमस 25 दिसंबर को मनाया जाता है। यह प्रभु ईसा मसीह का जन्मदिन है।

## देखें, आपने क्या सीखा 3.2

(i) किन जगहों का दशहरा मशहूर है?

.....

(ii) दीपावली का त्योहार क्यों मनाया जाता है?

.....

(iii) क्रिसमस का मूल संदेश क्या है?

.....

## 3.8 अन्य त्योहार

ये सभी हमारे सामाजिक त्योहार हैं। ये अलग-अलग धर्मों के त्योहार हैं, पर सब मिल-जुलकर इन्हें मनाते हैं।

इसी तरह के कई और त्योहार भी हमारे यहाँ मनाए जाते हैं। इनमें दो ख़ास त्योहार हैं—महावीर जयंती और बुद्ध पूर्णिमा। महावीर जयंती भगवान महावीर का जन्म दिन है। भगवान महावीर से ही जैन धर्म की शुरुआत हुई। वे अहिंसा को सबसे बड़ा धर्म मानते थे।

बुद्ध पूर्णिमा को भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। भगवान बुद्ध से बौद्ध धर्म की शुरुआत हुई। भगवान बुद्ध ने दुनिया को करुणा और भाईचारे का संदेश दिया।

## 3.9 राष्ट्रीय पर्व

कुछ त्योहार ऐसे भी हैं, जिन्हें हम राष्ट्रीय पर्व कहते हैं। ये किसी एक धर्म के त्योहार नहीं हैं। पूरा देश साथ मिलकर इन्हें मनाता है। हमारे तीन राष्ट्रीय पर्व हैं– 1. स्वतंत्रता-दिवस, 2. गणतंत्र-दिवस, और 3. गाँधी जयंती।

आइए, अब इन राष्ट्रीय पर्वों के बारे में जानें।

## 3.9.1 स्वतंत्रता-दिवस

लालकिले पर फहराता तरंगा

स्वतंत्रता-दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। सन् 1947 को इसी दिन हमारा देश स्वतंत्र हुआ था। इससे पहले हमारे देश पर अंग्रेज़ों का शासन था। देश को स्वतंत्र कराने के लिए हमें बहुत संघर्ष करना पड़ा। देश के कई सपूतों को बलिदान देना पड़ा। स्वतंत्रता-दिवस के मौके पर हम इन बलिदानियों को याद करते हैं। इस दिन देश की राजधानी दिल्ली में बड़ा कार्यक्रम होता है। यहाँ प्रधानमंत्री लालकिले पर तिरंगा फहराते हैं। इस दिन प्रधानमंत्री देश के नाम संदेश देते हैं। उसमें अब तक देश में हुए विकास तथा योजनाओं के बारे में बताया जाता है। ऐसे ही कार्यक्रम राज्यों की राजधानियों और ज़िलों में भी मनाए जाते हैं। स्कूलों में भी स्वतंत्रता-दिवस समारोह मनाया जाता है।

## 3.9.2 गणतंत्र-दिवस

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है। सन् 1950 में इसी दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ, जिसमें भारत को एक गणतंत्र घोषित किया गया।

हम 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हो गए थे। इससे पहले देश पर अंग्रेज़ों का

शासन था। हम 1947 में स्वतंत्र तो हो गए, पर व्यवस्था अंग्रेज़ों की ही थी। फिर हमारा अपना संविधान बना। संविधान वह किताब है, जिसमें देश का शासन चलाने

**भव्य परेड का चित्र**

के नियम-कानून दिए गए हैं। यह संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ। तभी से अपने देश में हमारा अपना शासन शुरू हुआ।

इस दिन दिल्ली में राष्ट्रपति इंडिया गेट पर तिरंगा फहराते हैं। फिर परेड होती है। राष्ट्रपति परेड की सलामी लेते हैं। यह परेड राष्ट्रपति भवन से लाल किले तक होती है। इसके बाद रंग-बिरंगी झाँकियाँ निकलती हैं। इनमें अलग-अलग राज्यों की संस्कृति की झाँकियाँ होती हैं। देश के विकास की झाँकियाँ भी होती हैं। इन झाँकियों के साथ-साथ देश की सेना-शक्ति का प्रदर्शन करके जनता का मनोबल बढ़ाया जाता है। राज्यों की राजधानियों में भी गणतंत्र-दिवस के कार्यक्रम होते हैं। ज़िलों में भी गणतंत्र-दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। स्कूलों में इस दिन कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

## 3.9.3 गाँधी जयंती

गाँधी जयंती 2 अक्टूबर को मनाई जाती है। इसी दिन सन् 1869 को महात्मा गाँधी का जन्म हुआ था। गाँधीजी को हम राष्ट्रपिता कहते हैं। गाँधीजी ने हमें सत्य और अहिंसा का संदेश दिया। सत्य और अहिंसा के बल पर ही उन्होंने देश को आज़ादी दिलाई।

**गाँधी-समाधि**

गाँधीजी की समाधि दिल्ली में राजघाट पर है। गाँधी जयंती के दिन लोग गाँधीजी की समाधि पर जाते हैं। वहाँ फूल चढ़ाते हैं। रामधुन गाते हैं। चरखा भी चलाते हैं।

गाँधी जयंती के मौके पर प्राय: खादी भंडारों में खादी के कपड़ों पर कीमत में छूट मिलती है। यह छूट महीने भर मिलती रहती है। इस दिन राष्ट्रीय अवकाश होता है।

हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ। तब से हर वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता-दिवस मनाया जाता है। गणतंत्र-दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ। गाँधी जयंती दो अक्टूबर को मनाई जाती है। गाँधीजी को हम राष्ट्रपिता कहते हैं। गाँधी जी ने सत्य और अहिंसा के बल पर हमारे देश को आज़ादी दिलाई थी।

## देखें, आपने क्या सीखा 3.3

(i) हमारे राष्ट्रीय पर्व कौन-से हैं?

.....

(ii) 26 जनवरी को कौन-सा पर्व मनाया जाता है?

.....

(iii) स्वतंत्रता-दिवस को लाल किले पर झंडा कौन फहराता है?

.....

## आइए, दोहराएँ

- मकर संक्रांति का त्योहार 14 जनवरी को मनाया जाता है। इसे तमिलनाडु में 'पोंगल' और असम में 'बिहू' के नाम से मनाया जाता है।
- मकर संक्रांति खेती से जुड़ा त्योहार है।
- होली मिल-जुलकर खुशी मनाने का त्योहार है। यह सामूहिक रूप से अन्याय को जलाने का त्योहार है।
- ईद रमज़ान के बाद मनाई जाती है। यह मेल-मुलाकात, भाईचारे का त्योहार है।
- गुरुपर्व गुरुनानक देव का जन्मदिन है। इसे 'प्रकाश उत्सव' भी कहा जाता है।
- दशहरा को 'विजयादशमी' भी कहते हैं। यह अन्याय पर न्याय की, असत्य पर सत्य की, अधर्म पर धर्म की जीत के रूप में मनाया जाता है।
- दीपावली कार्तिक महीने की अमावस्या को मनाई जाती है। यह अँधेरे पर उजाले की जीत का त्योहार है।

- ईसा मसीह का जन्मदिन क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है। ईसा मसीह ने प्रेम और मानवता का संदेश दिया। यह त्योहार 25 दिसंबर को मनाया जाता है।
- हमारे तीन राष्ट्रीय पर्व हैं–स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र-दिवस और गांधी जयंती।

## अभ्यास

**1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

(i) मकर संक्रांति का त्योहार किस दिन मनाया जाता है? .....

(ii) गुरुपर्व किस महापुरुष का जन्मदिन है? .....

(iii) ईद कब मनाई जाती है? .....

(iv) दशहरे का दूसरा नाम क्या है? .....

(v) क्रिसमस किस दिन मनाया जाता है? .....

(vi) गणतंत्र-दिवस किस दिन होता है? .....

**2. लाइन खींचकर जोड़े बनाइए:**

| | |
|---|---|
| गुरुपर्व | रमज़ान |
| दशहरा | 15 अगस्त |
| ईद | महात्मा गाँधी |
| क्रिसमस | 26 जनवरी |
| महावीर जयंती | दुर्गा पूजा |
| स्वतंत्रता-दिवस | ईसा मसीह |
| गणतंत्र-दिवस | गुरु नानक |
| 2 अक्टूबर | भगवान महावीर |

**3. खाली जगहों में सही शब्द भरिए:**

(i) मकर संक्रांति ..... से जुड़ा त्योहार है। (खेती/पानी)

(ii) तमिलनाडु में .....का त्योहार मनाया जाता है। (बिहू/पोंगल)

(iii) होली के मौके पर पंजाब में.....मनाया जाता है। (होला मोहल्ला/प्रकाश उत्सव)

(iv) स्वतंत्रता-दिवस को प्रधानमंत्री.....पर झंडा फहराते हैं। (लाल किले/इंडिया गेट)

**4. सही वाक्य के आगे (√) का और गलत के आगे (×) का निशान लगाइए:**

(i) बिहू असम में मनाया जाता है। ( )

(ii) गुजरात में दीवाली के दिन पतंग उड़ाने का रिवाज़ है। ( )

(iii) ईद का त्योहार रमज़ान महीने के बाद मनाया जाता है। ( )

(iv) गुरु नानक का जन्म कार्तिक पूर्णिमा को हुआ था। ( )

(v) बुद्ध पूर्णिमा के दिन भगवान महावीर का जन्म हुआ था। ( )

(vi) गाँधी जयंती 2 नवंबर को मनाई जाती है। ( )

(vii) दशहरे को विजया दशमी भी कहते हैं। ( )

## आइए करके देखें

1. आप अपने त्योहार पर किसी एक बुरी आदत को छोड़ने की कोशिश करें जैसे– बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू, शराब आदि।

2. हर त्योहार पर मोहल्ले व गाँव वालों के साथ मिलकर घर के आस-पास तथा गाँव की सफाई करें।

## उत्तरमाला

**3.1**

(i) पोंगल

(ii) रमज़ान के बाद चाँद दिखाई देने के अगले दिन।

(iii) इस दिन गुरु नानक का जन्म हुआ था।

**3.2**

(i) कुल्लू और मैसूर का।

(ii) लंका को जीतने के बाद इस दिन राम अयोध्या वापस आए थे।

(iii) प्रेम, मानवता, दीन-दुखियों की सेवा।

**3.3**

(i) स्वतंत्रता-दिवस, गणतंत्र-दिवस और गांधी जयंती।

(ii) गणतंत्र-दिवस।

(iii) भारत के प्रधानमंत्री।